A–1044

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–204

M.A. Jyotish (MAJY)

(संहिता स्कन्ध)

2nd Year Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संहिता ज्योतिष का परिचय दीजिए।

2. वृष्टि के कारकों का विश्लेषण कीजिए।

3. गुरु, शुक्र, शनि, राहु एवं केतु के **चार** फलों का वर्णन करें।

अथवा

सप्तर्षि चार फल का उल्लेख करें।

4. वास्तु पुरुष की अवधारणा पर प्रकाश डालिये।

5. नक्षत्र गत पदार्थ विश्लेषण करें।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वृहत्संहिता के अनुसार दैवज्ञ लक्षण का प्रतिपादन करें।

2. अगस्त्य चार फल का लेखन कीजिए।

3. मेघ गर्भ लक्षण का वर्णन कीजिए।

4. दकार्गल से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

5. भूमि का लक्षण एवं शोधन विधि का उल्लेख कीजिए।

6. वास्तु शास्त्र के प्रवर्तक एवं आचार्यों के बारे में लिखिए।

7. ग्रहवर्ष फल का विवेचन कीजिए।

8. वृष्टि एवं वृष्टि भंग विचार योग का विश्लेषण करें।

****